International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 3, March 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

रायपुर जिले के हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में अभिभावक उत्साहवर्धन का उनके शैक्षिक समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ. सुनीला शर्मा (विभागाध्यक्ष–रामकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, रायपुर)
डॉ.पी.डी.शर्मा (प्राचार्य–रामकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, रायपुर)

सारांश

जीवन और मृत्यु के ध्रुवों के बीच सक्रिय रूप से कार्य करने वाली शैक्षिक प्रक्रिया मानव को महामानव बनाती है। इस प्रक्रिया में शिक्षा को प्राप्त करने के लिए समायोजन की आवश्यकता है और इस समायोजन शक्ति के लिये अभिभावकों का उत्साहवर्धन अनिवार्य हो जाता है। सम्पूर्ण प्रक्रिया में अभिभावक उत्साहवर्धन को सुनियोजित तरीके से शामिल करके उद्देश्यों की प्राप्ति के निहितार्थ समायोजन की मध्यस्ता को बनाये रखना चाहिए। क्योंकि श्रेष्ठ मानव निर्माण में उत्साहवर्धन उद्दीपन का कार्य करते हुये प्रक्रिया को पुष्टि प्रदान करता है। उत्साहवर्धन में माता–पिता दोनों की सक्रियता अनिवार्य होती है। जो विद्यार्थियों को वातावरण के अनुरूप समायोजन स्थापित करने की क्षमता का विकास करती है। इस शोध के द्वारा अभिभावकों के लिए सुझाव है कि वे समय–समय पर बच्चों का उत्साहवर्धन कर शैक्षिक समायोजन की प्रक्रिया में अपनी भूमिका का निर्वाह करें।

प्रस्तावना :–

शिक्षा मानव जीवन की वह अनवरत गति से चलने वाली प्रक्रिया है जो जीवन से मृत्यु पर्यन्त चलती ही रहती है। शिक्षा में देश, काल तथा परिस्थितियों के अनुरूप परिवर्तन होते रहते है। क्योंकि इसमें शिक्षाविदों एवं शिक्षा दार्शनिकों ने समय–समय पर अपने अलग–अगल विचार दिये है। शिक्षा की इस जटिल प्रक्रिया में अधिगम को प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अच्छे समायोजन की आवश्यकता प्रतीत होगी और इन स्थितियों में अभिभावकों के द्वारा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया जाना आधारभूत भूमिका में दिखाई पड़ता है। इसमें शिक्षक की तरह अभिभावक भी केन्द्र बिन्दु की भूमिका में होते है। अधिगम के इस मार्ग में अभिभावक रीड की हड्डी की तरह होते है। जो सदैव बच्चों का उत्साहवर्धन करते रहते है। जिससे उनके शिक्षण में आदर्शवादिता, दार्शनिकता, मनोवैज्ञानिकता, धर्म, संस्कृति एवं अच्छी भावनाओं के तत्वों का विकास सम्भव हो पाता है। अधिगमकर्ता एवं अधिगम के मध्य जो दूरियां दिखाई दे रही है, उनके लिये समायोजन की प्रक्रिया साधन के रूप में कार्य करती है और यह समायोजन अधिगमकर्ता के उत्साहवर्धन से होता है और इसे सक्रिय करने के लिये वातावरण में अभिभावकों के द्वारा उत्साहवर्धन करना एक अनिवार्य कड़ी के रूप में दिखाई देता है। क्योंकि इससे परिवार तथा वातावरण में समन्वय स्थापित होता है। इसके साथ ही वे विद्यार्थी जिनको भरपूर उत्साहवर्धन प्राप्त होता है वे शिक्षा के क्षेत्र में छात्र, अध्यापक, पाठ्यक्रम एवं शिक्षा की समस्याओं के साथ अच्छा समायोजन कर सहजता से उससे पार हो जाते है और यह शैक्षिक समायोजन ही सम्पूर्ण शैक्षिक ज्ञान का आधार स्तम्भ हो जाता है।

उत्साहवर्धन के द्वारा शैक्षिक समायोजन में जो सकारात्मकता हमें दिखाई पड़ती है वैसे ही पूर्व में चौधरी, अपराजिकता एवं मुनी अनीता कुमार (1995) ने ''बच्चों की आवश्यकता संतुष्टि में अभिभावक सहयोग एवं अकादमिक उपलब्धि की भूमिका'' प्रस्तुत शोध अध्ययन में पाया गया कि अच्चों की आवश्यकता संतुष्टि में अभिभावक सहायता की सार्थक भूमिका होती है। बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि और अभिभावक सहायता में धनात्मक संबंध पाया गया। इसी तरह शैक्षिक समायोजन में मलिक, जी.एम. (1984) ने प्रथम पीढी तथा दूसरी पीढी के सीखने वाले समान शैक्षिक स्तर वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और समायोजन के संबंध में तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिभाषा :–

हायर सेकेण्डरी स्तर

''हायर सेकेण्डरी स्तर के अतंर्गत ऐसे छात्र आते है जो 16 से 18 वर्ष आयु के हो तथा इस दौरान कक्षा 11वीं एवं 12वीं की शिक्षा ग्रहण करते है।''

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 3, March 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अभिभावक उत्सावर्धन :–

''अभिभावक उत्सावर्धन विद्यार्थियों के कैरियर में मील के पत्थर के रूप में स्थान रखता है। समस्याओं के लिये समाधान तथा निराकरण का कारण बनता है। वर्तमान समय में प्रतिस्पर्धा के युग में कैरियर की दौड़ यदा–कदा जब विद्यार्थी उसके लिये संरक्षक का कार्य करता है। और उसे एक अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर एवं लक्ष्य को अर्जित करने के लिये शैक्षिक समायोजन का सुअवसर प्रदान करता है।''

शैक्षिक समायोजन :–

''शैक्षिक समायोजन निरंतर चलने वाली क्रिया है। जिसके द्वारा व्यक्ति अपने और अपने वातावरण के बीच संतुलित संबंध रखने के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन करता है।''

अध्ययन के उद्देश्य :–

1. रायपुर जिले के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में अभिभावक उत्साहवर्धन का अध्ययन करना।
2. रायपुर जिले के अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में अभिभावक उत्साहवर्धन का अध्ययन करना।
3. रायपुर जिले के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में शैक्षिक समायोजन का अध्ययन करना।
4. रायपुर जिले के अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में शैक्षिक समायोजन का अध्ययन करना।

परिकल्पना :–

1. रायपुर जिले के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में अभिभावक उत्साहवर्धन में अंतर नहीं पाया जायेगा।
2. रायपुर जिले के अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में अभिभावक उत्साहवर्धन में अंतर नहीं पाया जायेगा।
3. रायपुर जिले के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में शैक्षिक समायोजन में अंतर नहीं पाया जायेगा।
4. रायपुर जिले के अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में शैक्षिक समायोजन में अंतर नहीं पाया जायेगा।

सीमांकन :–

प्रस्तुत शोध हेतु शोधार्थी ने शासकीय पं.गिरजाशंकर मिश्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा अशासकीय बिंदासोनकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रायपुर को चयन किया है तथा प्रतिदर्श के लिये 32 विद्यार्थियों का चुनाव किया है।

अध्ययन विधि :–

प्रस्तुत शोध हेतु शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

शोध न्यादर्श :–

प्रस्तुत शोध के लिये शासकीय पं.गि.श.मिश्र उ.मा. विद्यालय से 16 तथा अशासकीय बिंदासोनकर उ.मा. विद्यालय से 16 विद्यार्थियों का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया है।

शोध उपकरण :–

शोध हेतु उपकरण के रूप में अभिभावक उत्साहवर्धन के लिये कुसुम अग्रवाल एवं शैक्षिक समायोजन के लिये सीमा रानी एवं बसंत बहादुर की मापनी का प्रयोग किया गया है।

विश्लेषण :–

तालिका नं. 1

1. रायपुर जिले के हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में अभिभावक उत्साहवर्धन में अंतर नहीं पाया जायेगा।

अभिभावक उत्सावर्धन मापनी	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्यमान	सार्थकता स्तर
छात्राएं	228.5	19.21	0.34	0.05
छात्र	222.25	19.15		

अभिभावक उत्सावर्धन मापनी से प्राप्त शासकीय छात्राओं का मध्यमान 228.5 तथा SD 19.21 पाया गया एवं शासकीय छात्रों का मध्यमान 222.25 तथा SD 19.15 पाया गया। शासकीय छात्राओं एवं छात्रों के अभिभावकों का टी मूल्य मान 0.34 पाया गया, जो 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु अपेक्षित तालिका का मान 1.96 से कम है अतः हमारी परिकल्पना सिद्ध होती है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 3, March 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

तालिका नं. 2

2. रायपुर जिले के अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में अभिभावक उत्साहवर्धन में अंतर नहीं पाया जायेगा।

अभिभावक उत्सावर्धन मापनी	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्यमान	सार्थकता स्तर
छात्राएं	242.37	31.39	0.37	0.05
छात्र	235.37	25.07		

अभिभावक उत्सावर्धन मापनी से प्राप्त शासकीय छात्राओं का मध्यमान 242.37 तथा SD 31.39 पाया गया एवं शासकीय छात्रों का मध्यमान 235.37 तथा SD 0.37 पाया गया। शासकीय छात्राओं एवं छात्रों के अभिभावकों का टी मूल्य मान 0.37 पाया गया जो 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु अपेक्षित तालिका का मान 1.96 से कम है अतः हमारी परिकल्पना सिद्ध होती है।

तालिका नं. 3

3. रायपुर जिले के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में शैक्षिक समायोजन में अंतर नहीं पाया जायेगा।

शैक्षिक समायोजन मापनी	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्यमान	सार्थकता स्तर
छात्राएं	25	6.04	0.46	0.05
छात्र	22.5	5.12		

शैक्षिक समायोजन शासकीय छात्राओं का मध्यमान 25 तथा SD 6.04 पाया गया एवं शासकीय छात्रों का मध्यमान 22.5 तथा SD 5.12 पाया गया। शासकीय छात्राओं एवं छात्रों का शैक्षिक समायोजन का टी मूल्यमान 0.46 पाया गया। जो 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु अपेक्षित तालिका का मान 1.96 से कम है अतः हमारी परिकल्पना सिद्ध होती है।

तालिका नं. 4

1. रायपुर जिले के अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों में शैक्षिक समायोजन में अंतर नहीं पाया जायेगा।

शैक्षिक समायोजन मापनी	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्यमान	सार्थकता स्तर
छात्राएं	32.62	5.18	0.81	0.05
छात्र	30.87	11.18		

शैक्षिक समायोजन अशासकीय छात्राओं का मध्यमान 32.62 तथा SD 5.18 पाया गया एवं शैक्षिक समायोजन अशासकीय छात्रों का मध्यमान 30.87 तथा SD 11.18 पाया गया। अशासकीय छात्राओं एवं छात्रों का शैक्षिक समायोजन का टी मूल्य 0.81 पाया गया। जो 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु अपेक्षित तालिका का मान 1.96 से कम है अतः हमारी परिकल्पना सिद्ध होती है।

निष्कर्ष :–

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने रायपुर जिले के हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों का चयन कर पता लगाया कि अभिभावकों के द्वारा किया गया उत्साह विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन पर बहुत गहरा असर छोड़ता हैं।

सुझाव :–

प्रस्तुत शोध में अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों की मनः स्थिति को समझ कर उन्हें उत्साहित करें। ताकि वे अपने आप को शिक्षा में समायोजित कर सके। अभिभावक का दायित्व है कि वह बच्चों को शैक्षिक रूचियों के अनुरूप विषय चुनने में मदद करें। क्योंकि अभिभावकों का उत्साहवर्धन बालकों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः अभिभावकों के द्वारा समय–समय पर अपने बालकों का आवश्यक मार्गदर्शन करते रहना चाहिए।

संदर्भित ग्रंथ :–

जी.एम. मलिक (1984) ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ फर्स्ट जनरेशन लर्नर्स विथ आदर्श विलागिग टू द सेम इकोनामिक स्टेटस इन कश्मीर वैली इन रेसपेक्ट आफ देयर एकाडेमिक एचीवमेन्ट एण्ड एडजस्टमेन्ट, पी.एच.डी. एजुकेशन, जम्मू यूनिवर्सिटी, फोर्थ सेर्वे ऑफ एजुकेशन, पृ 835.

शर्मा आर.ए. शिक्षा अनुसंधान (2006) आर.लाल बुक डिपो मेरठ।

पाठक पी.डी.शिक्षा मनोविज्ञान (2007) विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

कुलश्रेष्ठ एस.पी.शिक्षा मनोविज्ञान (2007) विनय रखेजा आर.लाल बुक डिपो मेरठ।

शर्मा डॉ. एन.आर. कडवासरा ओम, शिक्षा मनोविज्ञान 2008 साहित्य चंद्रिका प्रकाशन जयपुर।

लॉरेंस अरूण डॉ. ए.के.एंड भारती डा. सी. (2016) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का अकादमिक उपलब्धि पर अभिभावक प्रोत्साहन का अध्ययन आई ए.जे.ए.आर.आई. आई.ई. वॉल्यूम 2, ईशु 6, पेज नं. 1234–1239।

यादव अंजू (2017) उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का अभिभावक प्रोत्साहन का कैरियर परिपक्वता पर प्रभाव का अध्ययन जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी, वॉल्यूम 7 पेज नं. 72–77.

पाण्डेय डॉ. रचना और नायक डॉ.पी.के. (2018) कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के अभिभावक योगदान पर एक अध्ययन एनवल ऑफ आर्ट कल्चर एण्ड ह्यूमनिटिस, वॉल्यूम 3 ईशु 1, पेज नं. 53–55.